दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, मंगलवार 16 नवंबर 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-04, अंक- 49

महत्वपूर्ण एवं खास

प्रसिद्ध इतिहासकार पुरंदरे का 99 साल की उम्र में निधन, प्रधानमंत्री ने जताया शोक

पुणे (आरएनएस)। पद्म विभूषण से सम्मानित भारत के जाने-माने इतिहासकार और लेखक बाबासाहेब पुरंदरे का सोमवार सुबह पुणे के दीनानाथ मंगेशकर मेमोरियल अस्पताल में निधन हो गया। छत्रपति शिवाजी महाराज के शौर्यगाथा और उनके योगदान को अपनी लेखनी के माध्य से घर-घर तक पहुंचाने वाले बलवंत मोरेश्वर उर्फ बाबासाहेब पुरंदरे 99 वर्ष के थे और सौवें साल में प्रवेश कर चुके थे। अस्पताल प्रशासन के मुताबिक, पुरंदरे को शनिवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां बाद में हालात गंभीर होने के बाद उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया। इसके बाद से ही उनकी स्थिति में सुधार नहीं हो सका। बताया गया था कि बाबा पुरंदरे अपने घर में बाथरूम में गिर गए थे। इसके बाद उन्हें अस्पताल लाया गया था। उनके निधन की खबरों के बाद देशभर में उनके चाहने वालों ने शोक व्यक्त किया है। अस्पताल के बयान में बताया गया कि आज सुबह 10 बजे उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

पीएम आज उत्तर प्रदेश की यात्रा पर जायेंगे और पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 16 नवंबर, 2021 को उत्तर प्रदेश की यात्रा पर जायेंगे और दोपहर करीब 1ः30 बजे सुल्तानपुर जिले के करवल खीरी में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन के बाद, प्रधानमंत्री सुल्तानपुर जिले में एक्सप्रेस-वे पर निर्मित 3.2 किमी लंबी हवाई पट्टी पर भारतीय वायु सेना के एयरशो को भी देखेंगे।यह हवाई पट्टी आपात स्थिति में भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमानों को उतारने/उड़ान भरने के लिए निर्मित की गयी है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की लम्बाई 341 किलोमीटर है। यह लखनऊ-सुल्तानपुर रोड (एनएच-731) पर स्थित गांव चौदसराय, जिला लखनऊ से शुरू होता है और यूपी-बिहार सीमा से 18 किमी पूर्व में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 31 पर स्थित गांव हैदरिया में समाप्त होता है। एक्सप्रेस-वे 6 लेन चौड़ा है, जिसे भविष्य में 8-लेन तक बढ़ाया जा सकता है। लगभग 22,500 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से निर्मित, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से उत्तर प्रदेश के पूर्वी भाग, विशेष रूप से लखनऊ, बाराबंकी, अमेठी, अयोध्या, सुल्तानपुर, अंबेडकर नगर, आजमगढ़, मऊ और गाजीपुर जिलों के आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

लंदन के लीवरपूल अस्पताल के बाहर कार में धमाका, एक की मौत

लंदन । लंदन के लीवरपूल स्थित महिला अस्पताल के बाहर एक कार में धमाका हो गया। इस घटना में एक शख्स की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने इस विस्फोट के पीछे किसी आतंकवादी हमले की घटना से इन्कार किया है। हालांकि आतंकवाद विरोधी अधिकारी इस घटना की जांच कर रहे हैं।
उत्तरी इंग्लैंड के लिवरपूल में महिला अस्पताल के बाहर एक वाहन विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने कहा कि आतंकवाद विरोधी अधिकारी जांच का नेतृत्व कर रहे हैं। पुलिस ने एक बयान में कहा कि जानकारी के मुताबिक, धमाके वाली कार एक टैक्सी थी जो विस्फोट होने से कुछ समय पहले अस्पताल में पहुंची थी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वे विस्फोट के कारण को लेकर अभी पूरी तरह से कंफर्म नहीं है। फिलहाल मामले की जांच काउंटर टेररिज्म पुलिस मर्सीसाइड पुलिस द्वारा की जा रही है। पुलिस ने अपने बयान में ये भी कहा है कि अभी इस विस्फोट को आतंकवादी घटना घोषित नहीं किया जा सकता है।

शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी का राजकीय सम्मान के साथ किया गया अंतिम संस्कार

अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, गमगीन माहौल में शहीद कर्नल त्रिपाठी, उनकी धर्मपत्नी और बेटे को दी गई अश्रुपूरित अंतिम बिदाई

» उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

रायगढ़। मणिपुर राज्य के चुराचन्दपुर जिले के ग्राम सियालसी के समीप 13 नवंबर को उग्रवादी हमले में शहीद हुए रायगढ़ के कर्नल विप्लव त्रिपाठी का आज शाम राजकीय सम्मान के साथ रायगढ़ के मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया गया। शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी के साथ हमले में शहीद हुई उनकी धर्मपत्नी श्रीमती अनुजा त्रिपाठी और पुत्र अबीर त्रिपाठी का भी अंतिम संस्कार किया गया। शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी के छोटे भाई लेफ्टिनेंट कर्नल अनय त्रिपाठी ने चिताओं को मुखाग्नि दी।

इसके पूर्व शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी, उनकी धर्मपत्नी श्रीमती अनुजा त्रिपाठी और पुत्र अबीर त्रिपाठी का पार्थिव शरीर वायु सेना के विशेष विमान से दोपहर 12.40 बजे रायगढ़ के जिंदल एयरपोर्ट पहुंचा। शहीद के अंतिम दर्शन और उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की ओर से उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल ने शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। सांसद रायगढ़ श्रीमती गोमती साय, विधायक रायगढ़ प्रकाश नायक, विधायक धरमजयगढ़ लालजीत सिंह राठिया, विधायक लैलूंगा चक्रधर सिदार, विधायक सारंगढ़ श्रीमती उत्तरी गनपत जांगड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष रायगढ़ निराकार पटेल, महापौर नगर निगम रायगढ़ श्रीमती जानकी काटजू, कलेक्टर भीम सिंह, पुलिस अधीक्षक अभिषेक मीणा सहित रायगढ़ शहर के हजारों लोगों ने एयरपोर्ट में शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

एयरपोर्ट से शहीदों के पार्थिव शरीर को फूलों से सजे सेना के वाहन में उनके निवास लाया गया। एयरपोर्ट से घर तक पूरे रास्ते में रायगढ़वासी शहर के वीर सपूत को पुष्प वर्षा कर श्रद्धांजली दे रहे थे। निवास स्थान में परिजनों द्वारा शहीदों के पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन उपरांत रामलीला मैदान में शहरवासियों के अन्तिम दर्शन व श्रद्धांजलि के लिए रखा गया।

इसके बाद शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी, उनकी पत्नी श्रीमती अनुजा त्रिपाठी व पुत्र अबीर त्रिपाठी के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए मुक्ति धाम ले जाया गया। यहां असम राइफल्स के जवानों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और राजकीय सम्मान के साथ उनका अन्तिम संस्कार किया गया।

लखीमपुर हिंसा मामला : एसआईटी जांच कराने पर यूपी सरकार सहमत

» एससी 17 को करेगा नाम का ऐलान

नई दिल्ली (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश सरकार ने लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में प्रतिदिन के आधार पर राज्य की एसआईटी जांच की निगरानी उच्चतम न्यायालय की ओर से नियुक्त पूर्व न्यायाधीश से कराने के सुझाव पर सोमवार को सहमति व्यक्त की। तीन अक्टूबर को हुई इस हिंसा में चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हो गई थी। प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने एसआईटी जांच में छोटी रैंक के पुलिस अधिकारियों के शामिल होने के मुद्दे को भी उठाया और उत्तर प्रदेश काडर के उन भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारियों के नाम भी मांगे जो राज्य के मूल निवासी नहीं हैं ताकि उन्हें जांच टीम में शामिल किया जा सके। पीठ ने कहा कि उसे संबंधित न्यायाधीश की सहमति भी लेनी होगी और इस सनसनीखेज मामले की निगरानी के लिए शीर्ष अदालत और उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीशों के नाम पर भी विचार करना होगा। पीठ ने कहा कि नाम की घोषणा वह बुधवार को करेगी। वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने दलील दी कि राज्य को शीर्ष अदालत द्वारा जांच की निगरानी के लिए अपनी पसंद के पूर्व न्यायाधीश की नियुक्ति से कोई समस्या नहीं है, लेकिन वह उत्तर प्रदेश का मूल निवासी नहीं होना चाहिए यह बात मन में नहीं होनी चाहिए क्योंकि संबंधित व्यक्ति एक प्रासंगिक कारक है। उच्चतम न्यायालय ने आठ नवंबर को जांच पर असंतोष व्यक्त करते हुए सुझाव दिया था कि जांच में स्वतंत्रत और निष्पक्षता लाने के लिए, एक अलग उच्च न्यायालय के एक पूर्व न्यायाधीश को दिन-प्रतिदिन आधार पर इसकी निगरानी करनी चाहिए।

नारायण राणे ने 40वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले एमएसएमई मंडप का किया उद्घाटन

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री नारायण तातू राणे ने आज नई दिल्ली में 40वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा की उपस्थिति में एमएसएमई मंडप का उद्घाटन किया। एमएसएमई मंडप का आयोजन नई दिल्ली में प्रगति मैदान के हॉल नंबर 7-एफजीएच में किया गया है। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए राणे ने कहा कि यह व्यापार मेला एमएसएमई उद्यमियों, विशेष रूप से महिलाओं, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और आकांक्षी जिलों के व्यवसाइयों को अपने कौशल/उत्पादों का प्रदर्शन करने, विकास के नए अवसर पैदा करने तथा आत्मनिर्भरता का लक्ष्य प्राप्त करने का अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार की अनुकूल औद्योगिक नीति और एमएसएमई मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित विभिन्न योजनाएं/कार्यक्रम एमएसएमई क्षेत्र को 5 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के प्रधानमंत्री के असाधारण स्वप्न को साकार करने में अपनी पूरी क्षमता का दोहन करने में मदद कर रहे हैं। राणे ने एमएसएमई पेवेलियन का दौरा किया और विभिन्न एमएसएमई प्रदर्शकों से भी मुलाकात की। कुल 316 एमएसएमई लगभग 20 क्षेत्रों में अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं। जिनमें आयुष, सिरेमिक, रसायन, सौंदर्य प्रसाधन, इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक्स, कढ़ाई, भोजन, जूते, हस्तशिल्प, हथकरघा, गृह सज्जा, शहद, जूट, चमड़ा, धातु विज्ञान, रत्न और आभूषण, कपड़ा, खिलौने, लकड़ी आदि शामिल हैं।

कोरोना में अनाथ हुए बच्चों को पीएम केयर से तुरंत मदद करे केंद्र : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि कोविड-19 के कारण अनाथ हुए बच्चों को पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन स्कीम के तहत राहत तुरंत पहुंचनी चाहिए। कोर्ट ने ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि 29 मई को शुरू हुई इस योजना के तहत 4848 आवेदनों की सूची में से सिर्फ 1719 लाभार्थियों को ही लाभ मिल पाया है। सुप्रीम कोर्ट ने एनसीपीसीआर (नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड केयर) को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सड़क पर रह रहे बच्चों के पुनर्विस्थापन को लेकर

सुझाव देने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों को निर्देश दिया है कि सड़क पर रहे बच्चों की पहचान तत्काल की जाए और उसका डेटा एनसीपीसीआर को दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने डीएम और डीसी को निर्देश दिया है कि ऐसे बच्चों की शैक्षणिक स्थिति का पता लगाने का निर्देश दिया जाए जिनको पीएम केयर फंड के तहत लाभ दिया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 30 नवंबर को होगी।

एनसीपीसीआर ने अधिवक्ता स्वरूपमा चतुर्वेदी द्वारा दायर हलफनामे के माध्यम से अदालत को सूचित किया गया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सड़क पर रहने वाले बच्चों के संबंध में जानकारी साझा करने का निर्देश दिया गया है। जो या तो अकेले रह रहे हैं या सड़कों पर परिवारों के साथ रहते हैं और रात मलिन बस्तियों में काटते हैं। जस्टिस एल नागेश्वर राव और बीआर गवई की पीठ ने कहा, हम चाहते हैं कि इसका लाभ हर बच्चे तक पहुंचे। अभी तक हम अंधेरे में ही तीर मार रहे हैं। कोर्ट ने केंद्र को दो सप्ताह में एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया, जिसमें इन बच्चों की शैक्षिक स्थिति के बारे में जानकारी के साथ योजना के तहत उठाए गए कदमों का विवरण हो। यह आदेश एक स्वतः संज्ञान याचिका में आया है जहां न्यायालय उन बच्चों के लिए राहत पर विचार कर रहा है जिन्हें कोविड-19 के कारण देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता है।

10 लाख रूपये का ईनामी नक्सली कमाण्डर साकेत नुरेटी ढेर

» साकेत नुरेटी उर्फभास्कर नुरेटी 30 से अधिक नक्सल अपराधों में नामजद आरोपी रहा है

» अधिकतर अपराधों का मुख्य लीडर और मास्टर माइंड भी रहा

नारायणपुर (आरएनएस)। पुलिस महानिरीक्षक बस्तर सुन्दरराज पी. के निर्देशानुसार संचालित नक्सल अभियान के तहत् गोपनीय सुत्रों से प्राप्त जानकारी के आधार पर पुलिस अधीक्षक, नारायणपुर के नेतृत्व में सोमवार 15 नवंबर को सुबह साढ़े 9 बजे छोटेडोंगर से डीआरजी नारायणपुर की 02 टीम ग्राम बांहकेर की ओर एरिया डॉमिनेशन हेतु रवाना की गई थी। करीबन 10.30 बजे ग्राम बांहकेर के जंगल में पुलिस पार्टी पहुंची तो साकेत नरेटी उर्फ भास्कर नुरेटी के नेतृत्व वाली कम्पनी नम्बर-06 के लगभग 35-40 सशस्त्र वर्दीधारी नक्सलियों ने पुलिस बल को जान से मारने की नियत से अंधाधुध फायरिंग करना प्रारंभ कर दिया गया जिसके फलस्वरूप डीआरजी के जवानों ने भी आत्मसुरक्षार्थ जवाबी कार्यवाही करते हुए नक्सलियों पर फायरिंग की। पुलिस बल के जवाबी कार्यवाही को भारी पड़ता देखकर सशस्त्र नक्सली फरार हो गये। फायरिंग रुकने पर पुलिस बल के द्वारा क्षेत्र की सर्चिंग की गई इस दौरान एक वर्दीधारी नक्सली का शव तथा एक ए.के.-47 रायफल बरामद किया गया। आत्मसमर्पित नक्सलियों और उपलब्ध प्रोफाईल फोटो के आधार पर नक्सली के शव की शिनाख्तगी की करवाई गई, जिसमें शव की पहचान कंपनी नंबर-6 के कमांडर साकेत नुरेटी उर्फभास्कर नुरेटी के रूप में की गई।

उल्लेखनीय है कि साकेत नुरेटी उर्फ भास्कर नुरेटी, उम्र-40 वर्ष, साकिन बुढ़ाकुर्से थाना आमाबेड़ा जिला कांकेर छ0ग0 का निवासी था। जो कि सीवायपीसी (कंपनी पार्टी कमेटी) कंपनी नंबर-06 का कम्पनी कमाण्डर था। साकेत नरेटी उर्फभास्कर नुरेटी एके-47 रायफल, यूबीजीएल और मेनपैक सेट रखता था। इनके अधीन कम्पनी नंबर- 06 के करीबन 45-50 वर्दीधारी नक्सली शामिल थे। इनका मुख्य कार्यक्षेत्र, छोटेड़ोगर, धनोरा, बेनूर, फरसगांव, धौड़ाई, बारसूर, कुदूर, मर्दापाल, बयानार, झारा, बड़ेडोंगर और केशकाल का सम्पूर्ण क्षेत्र के साथ माड़िन नदी के किनारे से होकर बारसूर तक का क्षेत्र रहा है। राज्य सरकार के आदेश के तहत् इनके पदीय दायित्वों के आधार पर 10,00,000/- (शब्दों में दस लाख) रूपये ईनाम था। जिसकी संख्या और बढ़ सकती है। पुलिस अधीक्षक, नारायणपुर द्वारा ऑपरेशन में शामिल पूरी टीम को तत्काल नगद पुरुस्कार से पुरस्कृत किया गया,और पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज द्वारा पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाये दी गयी।

बिहार में माओवादियों ने चार लोगों को उतारा मौत के घाट

पटना (आरएनएस)। बिहार के गया में एक परिवार पर पुलिस की मुखबिरी का आरोप लगाते हुए माओवादियों ने परिवार के चार सदस्यों को फांसी लगा दी. सालों बाद माओवादियों द्वारा इस तरह कंगारू अदालत लगा कर लोगों को दोषी ठहराने और मार देने का मामला सामने आया है.घटना बिहार-झारखंड सीमा के पास डुमरिया इलाके की है. मृतक सरजू भोक्ता नाम के व्यक्ति के बेटे और बहुएं थीं. सीपीआई (माओवादी) के सदस्यों ने चारों को फांसी देने के बाद एक बम धमाके से उनके घर को भी उड़ा दिया. माओवादियों ने वहां एक पर्चा भी छोड़ा जिसमें उन्होंने परिवार पर पुलिस की मुखबिरी करने का और माओवादियों को धोखा देने का दोषी ठहराया. माओवादियों की चेतावनी मीडिया में आई खबरों में बताया जा रहा है कि इस घटना का संबंध कुछ महीनों पहले उसी इलाके में पुलिस से मुठभेड़ में चार माओवादियों के मारे जाने से है. माओवादियों ने आरोप लगाया है कि उनके वो साथी मुठभेड़ में नहीं मारे गए थे बल्कि इसी परिवार के सदस्यों ने उन्हें जहर देकर मार दिया था. उन्होंने पर्चे में लिखा कि इसलिए सरजू भोक्ता के बेटों और बहुओं को सजा दी गई है.

भारत ने अंटार्कटिका के लिए अपने 41वें साइंटिफिक एक्सपीडिशन की शुरुआत की

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत ने दक्षिणी श्वेत महाद्वीप में अपने दल के पहले बैच के आगमन के साथ अंटार्कटिका के लिए 41वें साइंटिफिक एक्सपीडिशन की सफलतापूर्वक शुरुआत की है। 23 वैज्ञानिकों और सहायक कर्मचारियों का पहला जत्था पिछले सप्ताह भारतीय अंटार्कटिक स्टेशन मैत्री पहुंचा। चार अन्य बैच जनवरी 2022 के मध्य तक ड्रोमलान फैसिलिटी और चार्टर्ड आइस-क्लास पोत एमवी वैसिलिय-गोलोवनिन का उपयोग करके हवाई मार्ग से अंटार्कटिका में उतरेंगे।

इस 41वें एक्सपीडिशन के दो प्रमुख कार्यक्रम हैं। पहले कार्यक्रम में भारती स्टेशन पर अमेरी आइस शेल्फ

का भूवैज्ञानिक अन्वेषण शामिल है। इससे अतीत में भारत और अंटार्कटिका के बीच की कड़ी का पता लगाने में मदद मिलेगी। दूसरे कार्यक्रम में टोही सर्वेक्षण और मैत्री के पास 500 मीटर आइस कोर की ड्रिलिंग के लिए प्रारंभिक कार्य शामिल है। यह पिछले 10,000 वर्षों से एक ही जलवायु संग्रह से अंटार्कटिक जलवायु, पश्चिमी हवाओं, समुद्री-बर्फ और ग्रीनहाउस गैसों की समझ में सुधार करने में मदद करेगा। आइस कोर ड्रिलिंग ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वे और नॉर्वेजियन पोलर इंस्टीट्यूट के सहयोग से की जाएगी। वैज्ञानिक कार्यक्रमों को पूरा करने के अलावा, यह मैत्री और भारती में जीवन समर्थन प्रणालियों के संचालन और रखरखाव के लिए भोजन, ईंधन, प्रावधानों और पुर्जों की वार्षिक आपूर्ति की भरपाई करेगा।

1981 में शुरू हुए भारतीय अंटार्कटिक कार्यक्रम ने 40 वैज्ञानिक एक्सपीडिशन पूरे कर लिए हैं, और अंटार्कटिका में तीन स्थायी अनुसंधान बेस स्टेशन बनाए हैं जिनका नाम दक्षिण गंगोत्री (1983), मैत्री (1988) और भारती (2012) है। वर्तमान में मैत्री और भारती पूरी तरह से चालू हैं। गोवा में स्थित नेशनल सेंटर फॉर पोलर एंड ओशन रिसर्च (एनसीपीओआर), पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संस्थान है जो पूरे भारतीय अंटार्कटिक कार्यक्रम का प्रबंधन करता है।

भारत अंटार्कटिका महाद्वीप को कोविड-19 महामारी से मुक्त और सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है इसलिए भारतीय दल अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली में एक सख्त चिकित्सा परीक्षा के बाद अंटार्कटिका पहुंच गया है। इसके अलावा इस दल ने पर्वतारोहण और स्कीइंग संस्थान, आईटीबीपी औली, उत्तराखंड में बर्फ के अनुकूलन और अस्तित्व के लिए प्रशिक्षण प्राप्त किया है और दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में 14 दिनों के क्वारेनटीन सहित एक कड़े स्वच्छता प्रोटोकॉल का पालन किया है।

सर्दियों में 48 सदस्यों की टीम को छोड़कर, इस दल की मार्च के आखिर में या अप्रैल की शुरुआत में केप टाउन लौटने की उम्मीद है। यह पिछले 40वें अभियान की ओवर विंटर टीम को भी वापस लाएगा। 41वें अभियान का नेतृत्व डॉ. शैलेंद्र सैनी, वैज्ञानिक राष्ट्रीय ध्रुवीय और महासागर अनुसंधान केंद्र (वॉयेज लीडर), हुइड्रोम नागेश्वर सिंह, मेट्रोलॉजिस्ट, इंडिया मेट्रोलॉजिकल डिपार्टमेंट (लीडर, मैत्री स्टेशन) और अनूप कलायिल सोमन, वैज्ञानिक भारतीय भू-चुंबकत्व संस्थान (नेता, भारती स्टेशन) द्वारा किया जा रहा है।